[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

क्या करें हम कुछ सोचना पड़ेगा। तब बहुत सोचना पड़ा कि, सोचे हम तब चलते हम कहीं। हम किसी के साथ भागकर पहले बार चल गए पैंजाब।

--- पंजाब - - -

~~पंजाब~~ पैंजाब चला गया। पैंजाब चला गए तो वहाँ पर भी - आ ~~आते थे~~ आद आते थे कि हम - - ऽ ऽ - यहाँ पर तो मन नहीं लगता है, घर ही अच्छा था।

-- क्या काम करते थे पंजाब में ?

पंजाब में पहिले तो घूमे-फिरे, त उसके बाद क्या - - ऽ - कहीं पर हमको लगा दिए किसी के पास ऐऽ - - देखभाल करने के लिए - उसी - - वैसे ही। उसके बाद हम वहाँ से छोड़कर हम चले आए। घर चले गए) घर आने के बाद फिर हम करनाल आए। करनाल में कुछ राजमिस्त्री का साथ में काम किए। वहाँ पर भी मन नहीं लगे। वहाँ पर मन नहीं लगा - फिर घर गए। घर में अब गए तो - ऽ - - बहुत सी बात होता है) उनके बाद हम सोचे - अच्छा वहाँ तो कमाई नहीं होते हैं दूसरे जगह - हम दूसरे जगह चले तो हमारे साथ का आदमी यहाँ अली गाँव में - .

--- आपको जमीन है ?

जमीन वगैरह है दो- तीन किले हैं, उसमें अपना पिताजी है वह खेती करता है)

-- भाई बहन के बारे में - - - -

भाई - - दो बहन है, दो भाई है, और उ - - - हमारे बीबी है एक, दो बच्चे है, तो हम सोचे कि टाइमपास यहाँ दो माहिती की

-- आपकी शादी कब हुई ?

शादी हमारी अस्सी - नो - नवासी में हुई है। नवासी में हुई है तो पंचा - - पंचानवे में हमारी सेकेन्ड मैरेज हुई है

— आपका लव-मैरेज है ?

हाँ लव-मैरेज।

— आप उससे प्यार करते थे ?

हाँ, जी - जी।

-- इसी से हुआ ?

नहीं, इस गाँव में हम गए थे, हम गए थे तो - वो हमारा ससूर भी है, उस वक्त पूछा उसका नाम। उस तो उसमें फार्मर था, देखने में भी अच्छा था ~~इसमें भी व~~ और उससे नाम पूछा। हमारे पिताजी से पहिले बात चल रहा था - इसका शादी करदो। हमारा पिताजी बोला कि अभी छोटा है, अभी मत शादी करना है, अभी पढ़ना-लिखना है, उसको हम पसंद आ गए। तो उ - - बोलता है नहीं हम इससे शादी करके ही रहूँगा।

4

जब हम उस जगह दुबारा गए... नवासी में तो उस टाइम अखाड़ का महिना था, जब धान लगाता था। तो हम.. हम गए दूसरे रिश्तेदार के पास हमको वहाँ से पकड़ कर अपने घर ले गया। हमको दस - एगारह रोज रखा अपने घर पर। उसके बाद हमारा शादी किया। ~~उसके बाद~~ और हम वहाँ से चले आए। उसके बाद हम - शादी होने के बाद हम वहाँ से तब आए। पंजाब आए। फिर तो सोचे कि पंजाब भी आते हैं कोई काम भी नहीं कर पाते हैं, कुछ नहीं कर पाते हैं, इससे अच्छा कहीं अच्छा जगह चलते हैं। तो हमारे साथ का आदमी, उससे बोलते कि हमें कहीं अच्छा जगह ले चलो। फिर एकदिन, एग ~~कि~~ दिन. हम साल भर गाँव में नहीं जाते कहीं, मन नहीं लगता था। उसके बाद हम दिल्ली आए। यहाँ पर देखे, यहाँ पर देखे कमाई तो यहाँ पर रिक्शा खींचना पड़ा। रिक्शा खींच के हम घर गए। घर गए तो हम फिर सात - आठ महीना रहे। सात - आठ महीना के बाद यहीं दस बारह रोज से हैं। लेकिन पहले जैसा मन नहीं लगता है। जो घर में, गाँव में खेतों में जाते थे कामों को करते थे, जो खाना लेकर आता था, तो खाना खाने में बहुत अच्छा लगता था और, हरे फसलों को देखा करते थे, शामों सुबह को भागा करते थे। जैसे अपना.. - गाँव में कई जगह गाछें होते हैं, वहाँ पूजा करते हैं, लड़कियाँ सब आते हैं वहाँ साँझ देने के लिए तो हमलोग दोस्तों में सब मिलकर कहते थे चलो हमलोग भी साँझ देने के लिए तो साँझ को बहुत अच्छी तरह घुमत.. - फिरा करते थे।

और मेलों भी बहुत अच्छा लगता, दस जुवक मिलकर कहीं भी ड्रामा होता है, दस किलोमीटर या पाँच किलोमीटर वहाँ भी चला जाया करते थे। वह खुशी अभी याद आता है, तो ऐसे होता है ~~कि~~ मन की वही जिन्दगी, आज बचपन की याद आती है।

-- बच्चे कितने है?

बच्चे हमारे दो हैं।

-- -- पढ़ते हैं?

नहीं--अभी ये साढ़े s-तीन साल का है, अभी ये चार साल का हो जाएगा और एक सालभर के हैं। बीबी पढ़ी-लिखी है। और s-- मैं यही चाहता हूँ कि अपना किसी तरह जीवन बीता करूँ बच्चे और को पढ़ाकर आगे बढ़ा सके। और-- खुशी-- से--ही-आगे अच्छी तरह जिन्दगी बिताऊँ।

-- आपकी बीबी आपको पसन्द है?

पसन्द हमको हर दिल से पसन्द है। इसलिए कि हमारा पत्नी जो है, मनपसन्द का है तो उसमें कोई चीज़ का दिक्कत ना है।

- किसी दूसरे के तरफ अब नजर नहीं है?

किसी के तरफ़ नजर नहीं है। और जो है, वह दिल का खुला है, सुख और दुःख हर चीज मानने वाला है। ये नहीं उसमें खूबी है, कि हम अमीर घर का है, तो हम इस घर में

क्यों रहेगा। हम.. हमारे भी पत्नी है, उसके बाप मुखियाजी हैं। हम भी... तो... है बहुत अच्छे प्यार का तो लेकिन अब, जब गाड़ी का पहिया होता है तब घूम जाता है, तो एक दिन एक दिन छोटा हो जाता है। हम भी - हमारे गाँव में, हमारे बाप-दादा जो है, जो उसका नाम कोल्हाई मल्ल था, उसको साढ़े सात सौ बिघा जमीन था। वही - एक - दिन आया उस.. उस जमाने में, तो.. एक भैंस था उसके पास काफी तो भैंस को बोला जहाँ तक तुम्हारा दिल होता है घूमो, जहाँ - जहाँ भैंस गया, वहाँ-वहाँ उसका जमीन चारों तरफ हो गया। तो साढ़े सात सौ किला जमीन ऐसे हो गया। एक भाई कमल मल्लू था उसका। वह चला गया कमलपुर गाँव में। उसके पास भी दो बेटा था। तो वहाँ कमलपुर में गया, औ तो कमलपुर में उसको जिमेदारी पहिले चलता था। वह तंग किया करता था। उसका बेटा आया कोल्हाइ मल्ल के पास, गुलाब मल्ल उसका बेटा था, तो कहता है चाचाजी हमारे गाँव में तो वहाँ तंग करता है, तो कोल्हाइ मल्ल कहता है, देखो हमारे पास में तो एक ही बेटा है, साढ़े सात सौ बिघा जमीन है, हम क्या करेंगे, तुम यहीं चले आओ। तो गुलाब मल्ल पढ़ा-लिखा था वो, मूर्ख नहीं था, कमलपुर में था, वो तो इतना पढ़ा लिखा नहीं था। जब वो आया ; वो आया तो पहिले जिमेदारी नहीं जमा करते थे, उ, ऐसे, चौकीदारी के पास जाना, कोई सामान लाना। बड़े आदमी होता बड़ शाला। तो उसको बुलाया, उसने लिख दिया आज से इसको चावल-दाल सब्जी पहुँचाना पड़ेगा।

कमल मरर का बेटा था गुलाब मरर, उसको दिखाया, कहता है अरे, तुम्हारे चाचा को साढ़े सात सौ बिघा जमीन है और तुम उसके जाओगे बेगारी करने के लिए, मत जाओ, नहीं हम जमीन दे देंगे। उसको बस जमीन दे दिया, कहता है क्यों जा का - मैं आपका बेगाड़ी नहीं करूँगा। तो कहता है कौन कहता है आपको। आप तो पढ़ा लिखा है, कोल्हाइ मरर कहता है, हम सब जमीन बाँट देंगे, हम सब जात को बसाएँगे। बस उसने, जो भी काम होता है, सब जात को बसाया।

-- आपके कोई लगते हैं वे?

हमारे लगते हैं - हम उसी खानदान से आए हैं।

- किसके?

कोल्हाई मरर के खान दान से। हमारे गाँव जो है, बारह मन चावल खाते हैं एक टाइम के, मतलब अनाज। सभी गाँव मिलाकर के, उसमें, दो-चार कालम जो है बसाया गया है नहीं तो सब अपना ही खानदान का है, मतलब पूरे अपने कुआभई है। बहिन को बसा लिए। मतलब उसी तरह का ~~कुआभ~~ है। वह तो दिआद नहीं न हुआ। उसी तरह और दूसरे, उसी का है सब। तो हमारे जो शादी हुआ था उसके बाद ससुर मुखिया भी था। पहले वह एक वोट से हारा था।

-- कौन सी पार्टी से?

यहाँ पर, मरौल में । उ-ऊ-, उसका नाम सतनारायण यादव है। उसका बाप भी मुखिया था। तो उसके पास, उस के पास में बहुत जमीन भी था। चौबीस बीघा जमीन था। वो भी मस्त में रहा। मस्ती में सब जमीन बेच-एच करके उड़ा-पुड़ा करके, फिर भी उसके पास आठ-दस बीघा बचा है। अभी भी वैसा ही है उसके बिना---ऽ-कोई फैसला भी नहीं होता है गाँव में वो भी ऐसा ही आदमी है।

हमारे में--ए-- देखिए हमारे पास दोस्ती भी नहीं धारता है किसी से--ऽ--, किसी से दोस्ती हमें साथ नहीं देता है। किसी से दोस्ती करते हैं, तो हमें धोखा देता है। बिल्कुल सही बात है और, हम अभी जितना भी कमा सकते हैं, नहीं कर पाते हैं कुछ अभी इसलिए नहीं कर पाएंगे, जब तक हम 35 साल उम्र का नहीं होते, तब तक हम कुछ नहीं कर सकते हैं।

- - - क्यों ?

क्योंकि हमारे लिखा ही है मुकद्दर में तुम अभी कुछ नहीं कर पाओगे। कितना भी कमाओगे- कुछ नहीं कर पाओगे।

- किसने बताया ये बात ?

ये बिल्कुल सच बात है, तुम, इतना-खर्च भी ज्यादा होता है, हद से ज्यादा। खर्च करना मानता भी नहीं है मैं खुद करके देखा हूँ, किसी से दोस्ती, दोस्ती हमें धारता नहीं है, धोखा देता है किसी से हमको अछी करता है, कोई हमारा साथ नहीं देता है।

हम किसी की मदद करते हैं, लेकिन हमको कोई मदद नै करता है। ये बिल्कुल सत बात है। कोई भी कहानी जो हम बताए कोई भी गलत बात नहीं है, बिल्कुल सही बात है

-- आपका जीवन बहुत अच्छा होगा ?

बहुत अच्छा होगा

-- हम भी दुआ करते हैं।

आदमी लोगों से, आपलोगों से, किसी, किसी आदमी से बात होने लगता है तो दिल अच्छा लगने लगता है। जब भी याद आता है, तो फिर दिल छोटा हो जाता है, सारा दिन काम करता हूँ, घर पर रहूँगा तो -- 11 बजे रोज जाता हूँ घर।

-- रात के ?

रात को। जाता हूँ ग्यारह बजे, साढ़े ग्यारह बजे मे खाता हूँ। बारह बज जाता है सोने को। फिर साढ़े छै बजे उठता हूँ। साढ़े छै बजे उठता हूँ तो मुँह हाथ धोता हूँ, खाना-उना खाता हूँ तब तक टाइम हो जाता है। जब नहीं सुबह निकलूँ तो कमाई का चक्कर नहीं होता है। इस लिए कुछ नहीं टाइम इसमें, टाइम इसी में अभी हो जाता है

-- कितना कमा लेते हैं ?

इसमें कमा लेता हूँ 125, 30 रुपया, जिसमें साठ, सत्तर रुपये बच जाता है।

-- पूरा दिन ।

पूरा दिन। सोचते रहता हूँ कि मुझे भगवान यही करे कि -- मतलब, ज्यादा अमीर नहीं बन सकता हूँ तो अपना मां-बाप को और परिवार को देख सकूँ। और इससे आदमी का और लोगों का प्यार मिले। और पैसे -- ऊँ - पैसे भी है, सबकुछ। और लोगों भी है सबकुछ। प्यार के तरफ प्यार देखो। और हर चीज को सोच के चलाओ। और -- ऊँ - हर चीज प - पैसे पर मत झुको। और इज्जत-प्रतिष्ठा पर भी झुकना चाहिए। हम इसीलिए कहते हैं भगवान से कि हम भगवान इतना ही खुशी रखे, कि हम कमा कर के मां-बाप को देख सकें और परिवार को देख सके। इससे बढ़के हम कुछ नहीं चाहते हैं। यही चाहते हैं, हमारे एक बेटा है, एक बेटी है, दोनों को पढ़ा-लिखा करके हम आगे कर सकें। इससे हम -- अधिक कुछ नहीं चाहते, हम ये सोचते हैं, कि कुछ कमा कर के हम एक मोटर साइकिल ले आएँ। और मोटर, साइकिल ले कर के हम कुछ अपना ऐश कर सकें, ये हमारे दिल में ख्वाइश है कि मोटर साइकिल ले आएँ। और घर- बंगला अच्छा बनाएँ। और -- बीवी को घुमाएँगे मोटर साइकिल पर। हमारा खेती तो होता है, बैल रखे एक ओर, एक ओर बैल रखें, एक मोटर साइकिल, गाड़ी रखें घर के, और खेती को अब खेतों में आते काम करने के लिए, जहाँ से कोई खाना लेकर जाए,

जब वहाँ खाना खाते हैं जब बाधों में आदमी रहता है, तब दिल होता है, सभी आदमी खाने का अच्छा लगता है खेतों में गेहूँ काटने के लिए आते हैं, तो वहाँ अच्छा ~~लगता~~ लगता है हमारे यही ख्वाइश है भगवान और ~~एक मोटर साइकिल~~ और कुछ नहीं चाहिए, एक मोटर साइकिल दिल में ख्वाइश दे दीजिए। क्यों कि हमारे पिताजी का जो बड़ा भाई है उसका बेटा पटना में सर्विस करता है, हम यही चाहते हैं कि वह इतना पढ़ लिख लिया है, वह अपना बाल बच्चों को पढ़ाता-लिखवाता है, वो भी ऐश-मौज, मोटर साइकिल से, इस्टील से घूमता है, तो हम भी सोचते हैं, कि हम भी उसी ~~अच्छा~~ अच्छा मोटर साइकिल जो २०-२५ हजार में होता है, ~~क~~ ले आए और इससे अच्छा कुछ नहीं चाहिए। ~~और~~ और हमको कुछ नहीं चाहिए। माँ-बाप को खुश रखना और माँ-बाप का सेवा करना। और हमारा है, कि एक रोटी ~~खाना~~ हमें मिले तो, आधा माँ-बाप के लिए है। आधी रोटी दोनों मियाँ बीबी और सब मिलकर खाएं। और पब्लिक, भाई बहनों से यही चाहते हैं, कि प्यार मिले। और यही दुआ माँगते हैं